i:ij & i:pe % ifjp;kREkd i'k| ik"k.k
l:eLVj i:Fke &
dk:l! dk uke %   ifjp;kREkd i'k| ik"k.k&A

कोर्स नं. ए.एच.डी. 251 क्रेडिट ऑवर 2 (1+1)

l:)kfUrd

1. पशु शरीर और पौधों की संरचना।
2. पोषाहार बिन्दु और उनकी परिभाषा।
3. सामान्य खाद्य पदार्थ और चारा, उनका वर्गीकरण, उपलब्धता और पशुओं एंव मुर्गियों के उत्पादन में महत्व।
4. खाद्य प्रसंस्करण के विभिन्न भौतिक, रासायनिक और जैविक तरीकों से निम्न गुणवता वाले चारें के पोषक स्तर को सुधारना।
5. पशुधन खाद्य पदार्थो को साइलेज और हे के रूप में तैयार करना, भंडारण एंव संरक्षण तथा पशुओं को खिलाने में उनका उपयोग।
6. हानिकारक प्राकृतिक तत्व और खाद्य पदार्थ एंव चारे के सामान्य मिलावटी तत्व।
7. रोमान्थिको को आहार खिलाने के विभिन्न मानक, उनका उपयोग एंव महत्व और गुण व दोष।
8. रोमान्थिको के लिए अप्रोटीनीय नत्रजन पदार्थो का उपयोग।

ik;kfxd%&

1. विभिन्न खाद्य पदार्थो तथा चारें का परिचय और चयन
2. प्रयोगशाला में हरें चारे से साइलेज बनाने का प्रदर्शन और साईलेज के लिए गड्ढे तैयार करना।
3. निम्न गुणवता वाले चारे के पोषक स्तर को भौतिक तरीकों से सुधारना।
4. निम्न गुणवता वाले चारे के पोषक स्तर को रासायनिक तरीकों से सुधारना।
5. निम्न गुणवता वाले चारे के पोषक स्तर को जैविक तरीकों से सुधारना।

l:eLVj f}rh; &
dk:l! dk uke :   ifjp;kREkd i'k| ik"k.k&AA

कोर्स नं. ए.एच.डी. 252 क्रेडिट ऑवर 2 (1+1)

l:)kfUrd

1. खनिज तत्वों (वृहद एंव सूक्ष्म) का पशु स्वास्थ्य एंव उत्पादन में महत्व, उनकी आवश्यकता और खाद्य पदार्थो में मिलाना ।
2. विटामिनों का पशु स्वास्थ्य एंव उत्पादन में महत्व, उनकी आवश्यकता और खाद्य पदार्थो में मिलाना ।
3. पशुओं और मुर्गियों के आहार में खाद्य संकाली (Feed additive)।
4. संतुलित आहार और उसकी विषेशताएं।
5. संतुलित आहार बनाने के सामान्य सिद्वान्त।
6. दूधारू पशुओं और भैंसों के विकास एंव उत्पादन के विभिन्न चरणों (प्रजनन बैल, काम करने वाले पशु, नवजात, युवा, परिपक्व, ग्याभिन, दुधारू व सूखी गाय) के लिए आहार तैयार करना।

7. भेडों के विकास एंव उत्पादन के विभिन्न चरणों (दूध, मांस और ऊन) के लिए आहार तैयार करना।
8. बकरियों के विकास एंव उत्पादन के विभिन्न चरणों (दूध, मांस और बाल) के लिए आहार तैयार करना।
9. रोगग्रस्त पशुओं के लिए संतुलित आहार।
10. चारागाह प्रबन्धन।

ik;kfxd%&

1. गाय और भैंस के लिए पारंपरिक एंव अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग कर आहार तैयार करना।
2. भेडो के लिए पारंपरिक एंव अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग कर आहार तैयार करना।
3. बकरियों के लिए पारंपरिक एंव अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग कर आहार तैयार करना।
4. सूअर के लिए पारंपरिक एंव अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग कर आहार तैयार करना।
5. मुर्गियों के लिए पारंपरिक एंव अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग कर आहार तैयार करना।
6. अकाल के दौरान पशुओं के लिए आहार तैयार करना।

vLirky ifDVl dkl (xj ØfMV dkl)
iFke leLVj AHD 261(0+6) vkj f}rh; leLVj 262(0 + 6)

औषधीयों, शल्य चिकित्सा एवं प्रजनन रोगों का प्रशिक्षण देना। कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी देना। रोगों के निदान एवं इलाज की प्रारम्भिक जानकारी देना एवं अस्पताल के सभी विभागों में चिकित्सकों की मदद करना।